फर्श की सजावट के विभिन्न तरीके

कृषि कुंभ (नवंबर, 2022), खण्ड 02 भाग 06, पृष्ठ संख्या 48–50

फर्श की सजावट के विभिन्न तरीके

स्वपनिल सिंह[1] एवं डॉ. पूनम सिंह[2]

शोध छात्रा[1] एवं सहायक प्राध्यापक[2]

परिवारिक संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग

सामुदायिक विज्ञान महाविदयालय,

आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविदयालय कुमारगंज, अयोध्या उत्तर प्रदेश, भारत।

हमारे भारतीय समाज में कई ऐसे त्योहार होते है जब हम अपने घर की दीवार को अच्छी तरह से सजाते हैं, हम फर्श को भी सजा सकते है, जिससे घर सुंदर दिखे और हमारे फर्श के कुछ हिस्से इसके साथ दिखेंगे। फर्श की सजावट के लिए विभिन्न तरीकों का प्रयोग किया जा सकता है जैसे–

- फर्श पर पेन्टिग करके या चॉक पाउडर के द्वारा भी सजाया जा सकता है।
- फर्श को प्राकृतिक फूलों और पत्तियों के द्वारा भी सजाया सकता है।
- फर्श पर रंगो के माध्यम से रंगोली भी बनायी जा सकती है।

रंगोली– रंगोली भारत की प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा और लोक–कला है अलग अलग प्रदेशों में रंगोली के नाम और उसकी शैली में भिन्नता हो सकती है लेकिन इसके पीछे निहित भावना और संस्कृति में पर्याप्त समानता है। इसकी यही विशेषता इसे विविधता देती है और इसके विभिन्न आयामें को भी प्रदर्शित करती है। इसे सामान्यतः त्योहार, व्रत, पूजा, उत्सव, विवाह आदि शुभ अवसरों पर सूखे और प्राकृतिक रंगो से बनाया जाता है। इसमें साधारण ज्यामितिक आकार हो सकते हैं या फिर देवी देवताओं की आकृतियाँ। इनका प्रयोजन सजावट और सुमंगल है। इन्हें प्रायः घर की महिलाएँ बनाती है। विभिन्न अवसरों पर बनाई जाने वाली इन पारंपरिक कलाकृतियों के विशय अवसर के अनुकूल अलग–अलग होते है। इसके लिए प्रयोग में लाए जाने वाले पारंपरिक रंगो में पीसा हुआ सूखा या गीला चावल, सिंदूर, रोली, हल्दी, सूखा आटा और अन्य प्राकृतिक रंगो का प्रयोग किया जाता है परन्तु अब रंगोली में रासायनिक रंगो का प्रयोग भी होने लगा है। रंगोली को द्वार की देहली, आँगन के केन्द्र और उत्सव के लिए निश्चित स्थान के बीच में या चारों ओर बनाया जाता है। कभी–कभी इसे फूलों, लकड़ी या

किसी अन्य वस्तु के बुरादे या चावल आदि अन्न से भी बनाया जाता है।

1. फूलों और पत्तियों द्वारा फर्श की सजावट–

फूलों की मदद से घर की फर्श को आसानी तथा शीघ्रता से सजा सकते है। गुलाब के फूलों को सजावट के अलावा रंगोली में भी प्रयोग कर सकते है। सफेद नारंगी इन रंग के फूल खूबसूरत होने के साथ ही अत्यधिक खुशबूदार भी होते है। फर्श पर फूलों की सजावट करते समय हमेशा कमरे के रंग और कमरे के पर्दों के अनुसार ही फूलों एवं पत्तियों का चयन करना चाहिए।

2. कोलम के द्वारा फर्श की सजावट–

भारत के दक्षिण किनारे पर बसे केरल और तमिलनाडु राज्यों में रंगोली को कोलम कहते है। यह लोक कला है जो शुभ अवसरों पर घर के फर्श को सजाने के लिए की जाती है। कोलम बनाने के लिए सूखे चावल के आटे को अँगूठे व तर्जनी के बीच रखकर एक निश्चित आकार में गिराया जाता है। इस प्रकार फर्श पर सुन्दर नमेना बन जाता है। कभी–कभी इस सजावट फूलों का प्रयोग किया जाता है। फूलों की रंगोली को पुकोलम कहते है।

3. अल्पना के द्वारा फर्श की सजावट–

अल्पना के दक्षिण एशियाई लोक कला शैली है, जो परम्परागत रूप से महिलाओं द्वारा प्रचलित है, और धार्मिक अवसरों पर चावल के आटों से बनें पेंट के साथ फर्श और दीवारों पर रंगीन रूपांकनो, पैटर्न और प्रतीकों से युक्त है। यह भारत में बंगाल क्षेत्र और बांग्लादेश में मुख्य है। हिन्दू परिवारों में अल्पना में प्रतीकात्मक डिजाइन वाले धार्मिक रूप हो सकते है जो धार्मिक तपस्या, त्योहोरों और विशिष्ट देवताओं से सम्बन्धित होते है।

अल्पना शब्द संस्कृत के अलिम्पाना से लिया

गया है, जिसका अर्थ है 'प्लास्टर' या कोट करना।

4. पेपर कप लैंप से फर्श की सजावट–

पेपर कप लैंप के द्वारा की गई फर्श की सजावट अत्यधिक रमणीय लगता है। यह जरूरी नहीं है कि पेपर कप लैंप के द्वारा की गई सजावट महँगी ही होती है कम पेसों में भी पेपर कप लैंप के माध्यम से फर्श की सजावट की जा सकती है उदाहरण के लिए, फर्श पर व्यवस्था करने के लिए पेपर कप लालटेन बना सकते है। कागज के कपों में छोटे छेद करें और उन्हें रंगो में रंग दे। प्रत्येक पेपर कप लालटेन के अन्दर एक दीपक रखें जिससे वह प्रकाश उत्पन्न करेगा जो देखने में अत्यधिक आकर्षित लगेगा।

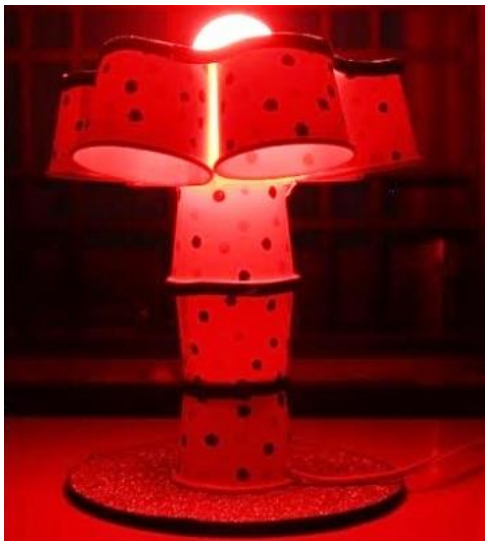

5. फलों की मोमबत्तियों के द्वारा फर्श की सजावट–

घरों के फर्श की सजावट को खुशनुमा बनाने के लिए हम फलों के छिलके से भी फर्श की सजावट कर सकते है। उदाहरण के लिए, संतरा के छिलके को गोल आकृति में काटे और छिलके में एक छोटा छेद कर दें जिससे रूई की बत्ती को आसानी से उसमें रखा जा सके। फिर छिलके में थोड़ा घी डाले और रूई की बत्ती को जलाए इसस फर्श पर प्रकाश प्रज्जवलित होगा जो देखने में अत्यधिक रमणीय लगेगा।

6. पोटपौरी सजावट –

इसके लिए सजावटी कटोरे की सजावट की आवश्यकता होती है, जिसके द्वारा हम फर्श को अच्छी तरह से सजा सकते है फिर एक मुट्ठी सूखे फूल, पंखुड़ियों और जड़ीबूटियों को ले, एक सजावटी कटोरे या बेंत की कटोरी में रखें। फर्श को सुगंधित बनाने के लिए, कटोरे में मसाले, वुडी सुगंध और आवश्यक तेलों के अपने पसंदीदा संयोजन को मिलाएं।

उपरोक्त में से किसी भी सजावट को घर को सजाने के लिये महिलायें अपनाकर कम लागत में घर को सुन्दर बना सकती है। घर सजावट से आकर्षण के साथ ही साफ–सुथरा एवं सकरात्मक उर्जा प्रदान करता है।